



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण,
EXTRAORDINARY,

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रकाशित से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 110]

नई दिल्ली, संक्रान्तवार, अप्रैल 22, 1980/वैशाख 2, 1902

No. 110]

NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 22, 1980/VAISAKHA 2, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 1980

अधिसूचना

आय-कर

सां०का०नि० 223(अ):—भारत सरकार और संयुक्त राज्य अमरीका की सरकारों ने हमारे संलग्न उपाबंध में अधिकृत पत्रों के आदान-प्रदान के माध्यम से उक्त सरकारों के बीच हवाई सेवा चलाने वाले मनुष्यों की आय को सीधे कराधान से बचाने के लिए किए गए करार को उपान्तरित करने के लिए एक करार को अन्तिम रूप दिया है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 90 और कम्पनी (आम) अधिष्ठापन अधिनियम, 1964 (1964 का 7) की धारा 24क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश करती है कि उक्त करार के उपबन्धों को भारत संघ में प्रभावी किया जाएगा।

उपाबंध

संयुक्त राज्य अमरीका का राजदूतावास,
नई दिल्ली, भारत।

27 दिसम्बर, 1978

श्री श्री राम मेहता,
प्रध्यक्ष, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड,
वित्त मंत्रालय,
नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली।
74 GI/80

प्रिय श्री मेहता,

हमने 26 नवम्बर, 1978 को हवाई कम्पनियों को, पारस्परिकता के आधार पर, कर से छूट दिलाने के बारे में पत्रों का आदान-प्रदान किया था। इन सम्बन्ध में, संयुक्त राज्य की टिप्पणी के पाठ में 1954 की यथा संशोधित संयुक्त राज्य आन्तरिक राजस्व संहिता की धारा 872(बी) (2) तथा 883(ए) (2) में निहित वायुयान पंजीकरण सम्बन्धी शर्त के बारे में कोई विशिष्ट उल्लेख नहीं है, यद्यपि मन्तव्य यह था कि टिप्पणी में इन शर्तों को शामिल किया जाए।

इसलिए हम इस पत्र के माध्यम से संयुक्त राज्य की इस कानूनी अपेक्षा की पुष्टि करना चाहते हैं कि जिस वायुयान के प्रचालन से प्राप्त होने वाली आय पर संयुक्त राज्य के आय-कर से छूट मिलती है, उसका पंजीकरण भारत में किया जाए, जो कि संयुक्त राज्य में पंजीकृत वायुयान से प्राप्त होने वाली आय के बारे में संयुक्त राज्य अमरीका निगमों तथा भारत में संयुक्त राज्य के अनिवासी नागरिकों को समतुल्य छूट प्रदान करता है।

मैं आपका बहुत आभार मानूंगा यदि आप संयुक्त राज्य अमरीका आन्तरिक संहिता की कानूनी अपेक्षा को पूरा करने के निमित्त इस पत्र की पुष्टि करने की कृपा करें।

आपका,

हं/-

(देविड टी० स्क्वेडर), प्रस्थायी कार्यभार

अर्द्ध सरकारी पत्र फा० सं० 501/2/74-वि०फ०प्र०

श्री राम मेहता, अध्यक्ष, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, दिनांक 29 दिसम्बर 1976.

प्रिय श्री स्चनेडर,

भारत सरकार तथा संयुक्त राज्य अमरीका के बीच दोनों देशों की अन्तर्राष्ट्रीय हवाई कम्पनियों की आय पर दोहरे कराधान के निवारणार्थ हुए करार के बारे में मैं आपके 27 दिसम्बर 1976 के पत्र की पावती स्वीकारता हूँ और आपके पत्र के पाठ की पुष्टि करता हूँ जो इस प्रकार है :-

“हमने 26 नवम्बर 1976 को हवाई कम्पनियों को, पारस्परिकता के आधार पर, कर से छूट बिलाने के बारे में पत्रों का आदान-प्रदान किया था। इस संबंध में, संयुक्त राज्य की टिप्पणी के पाठ में 1954 की यथा संशोधित संयुक्त राज्य आंतरिक राजस्व संहिता की धारा 872(बी) (2) तथा 883(ए) (2) निहित वायुयान पंजीकरण सम्बन्धी शर्त के बारे में कोई विनिष्ट उल्लेख नहीं है; यद्यपि मन्तव्य यह था कि टिप्पणी में इन शर्तों को शामिल किया जाए।

“इसलिए हम इस पत्र के माध्यम से संयुक्त राज्य की इस कानूनी अपेक्षा की पुष्टि करना चाहते हैं कि जिस वायुयान के प्रचालन से प्राप्त होने वाली आय पर संयुक्त राज्य के आय-कर से छूट मिलती है, उसका पंजीकरण भारत में किया जाए, जो कि संयुक्त राज्य अमरीका में पंजीकृत वायुयान के प्रचालन से प्राप्त होने वाली आय के बारे में संयुक्त राज्य निगमों तथा भारत में संयुक्त राज्य के अनिवासी नागरिकों को समतुल्य छूट प्रदान करता है।

“मैं आपका बहुत आभार मानूंगा यदि आप संयुक्त राज्य अमरीका आंतरिक संहिता की कानूनी अपेक्षा को पूरा करने के निमित्त इस पत्र की पुष्टि करने की कृपा करें।”

आपका,

ह०/- (श्री राम मेहता)

महामहिम श्री डेविड टी. स्चनेडर,

अस्थायी कार्यरत,

संयुक्त राज्य अमेरिका दूतावास,

नई दिल्ली।

[फा० सं० 501/2/74-वि० क० प्र०]

जे० सी० कलरा, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

INCOME-TAX

New Delhi, the 18th April, 1980

G.S.R. 223(E).—Whereas the Government of India and the Government of the United States of America have concluded an agreement through exchange of letters as set out in the Annexure hereto for the modification of the Agreement entered into by the said Governments, for the avoidance of double taxation of income of enterprises operating aircraft;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 90 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and section 24A of the Companies (Profits) Surtax Act, 1964 (7 of 1964) the Central Government hereby directs that the provisions of the said Agreement shall be given effect to in the Union of India.

ANNEXURE

EMBASSY OF THE UNITED STATES OF AMERICA

New Delhi, India

December 27, 1976

Mr. S. R. Mehta, Chairman,
Central Board of Direct Taxes,
Ministry of Finance,
North Block,
New Delhi.

Dear Mr. Mehta,

On November 26, 1976 we exchanged letters concerning a reciprocal airline tax exemption. In this connection the text of the U.S. note does not make a specific reference to the aircraft registration requirement contained in Sections 872(b)(2) and 883(a)(2) of the U.S. Internal Revenue Code of 1954, as amended, though it had been intended that these requirements be covered by the note.

For this reason we wish, by this letter, to confirm the U.S. statutory requirement that the aircraft, income from the operation of which is exempt from U.S. income-tax, be registered in India, which grants an equivalent exemption to U.S. corporations and to U.S. citizens non-resident in India in respect of income from the operation of aircraft registered in the United States.

I would be most grateful if you would kindly confirm this letter so as to meet the statutory requirement of the U.S. Internal Code.

Sincerely,
Sd/-

(David T. Schneider)

Charged Affairs ad interim

D.O. F. No. 501/2/74-FTD

S. R. Mehta,
Chairman.

Central Board of Direct Taxes

New Delhi, the 29th Dec. 1976.

Dear Mr. Schneider,

This is to acknowledge receipt of your letter dated December 27, 1976, regarding the agreement between the Government of India and the Government of United States of America for the avoidance of double taxation of income of the international airlines of the two countries and to confirm the text of your letter which reads as follows:—

“On November 26, 1976 we exchanged letters concerning a reciprocal airline tax exemption. In this connection the text of the U.S. note does not make a specific reference to

the aircraft registration requirement contained in Section 872(b)(2) and 883(a)(2) of the U.S. Internal Revenue Code of 1954, as amended, though it had been intended that these requirements be covered by the note.

"For this reason we wish, by this letter, to confirm the U.S. statutory requirement that the aircraft, income from the operation of which is exempt from U.S. income-tax, be registered in India, which grants an equivalent exemption to U.S. corporations and to U.S. citizens non-resident in India in respect of income from the operation of aircraft registered in the United States.

"I would be most grateful if you would kindly confirm this letter so as to meet the statutory requirement of the U.S. Internal Code."

Yours sincerely,
Sd/-
(S. R. Mehta)

H. E. Mr. David T. Schneider,
Charge d' Affairs ad interim
Embassy of the U.S.A.
New Delhi.

[F. No. 501/2/74-FTD]
J. C. KALRA, Jt. Secy.

